गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

मासिक

गोलालारीय दर्शन

सफलता के 10 वर्ष

अपनों के साथ अपनी बातें

लेट पोस्टिंग

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2018-2020

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

प्रतिभाशाली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 10 अंक : 9 पृष्ठ संख्या : 6 माह – 15 जुलाई 2019 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

प्रतिभाशाली नौनिहालों ने परिवार व समाज को किया गौरवांवित

दिशा, इन्दौर
शिल्पा–स्व. मनोज जैन
10वी – 97.4%
CBSE

आस्था, गंजबासौदा
सरिता–राजेन्द्र जैन
10वी – 96%
CBSE

इप्शिता, जबलपुर
अतुला–उन्मेष जैन
12वी – 95.2%
CBSE - Commerce

ममत्व, मंडीबामोरा
मधुबाला–प्रमोद जैन
12वी – 92.6%
Board - PCM

अंशी, सीहोर
सुनीता–पंकज जैन
12वी – 90.8%
CBSE - PCM

गोलालारीय दर्शन के प्रतिभा सम्मान अंक का संयोजन करना अपने आप में ही बड़ा उत्साहवर्धक होता है । प्रतिवर्ष नई नई प्रतिभाओं से अवगत होना, उनके पूरे वर्ष की घोर तपस्या को फलीभूत होते देखना उनके साथ ही पूरे परिवार के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होता । वैसे बच्चों के साथ माता पिता और पूरा परिवार ही अपने सब्र, श्रम, धन आदि की परीक्षा देता है । इसीलिए परीक्षा फल की प्रतीक्षा पूरे परिवार को होती है ।

वैसे तो प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का सम्मान परिवार और समाज के लिये प्रसन्नता और गौरव का विषय होता है । समाज और अनेक सामाजिक संगठन हर वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोहों का आयोजन करते हैं । सफल बच्चों की मंच पर प्रशस्ति दी जाती है । उच्च अंक प्राप्त करने वाले कुछ बच्चे खुश हो जाते हैं और बहुत से उस मानदंड से थोड़ा ही नीचे रहने वाले दुखी, भले ही उनकी काबिलियत ज्यादा ही क्यों न हो । लेकिन किसी कारणवश अंको की दौड़ से वह पिछड़ गया तो लगता है जैसे सब खत्म । वास्तव में परीक्षा के वो तीन घंटे ही एक बालक को प्रतिभाशाली या औसत छात्र घोषित कर देते हैं । काबिलियत मापने का यह पैमाना और हमारी अंक प्रणाली बच्चे के समग्र व्यक्तित्व का आकलन नहीं करती । एक निर्धारित पाठ्यक्रम से लिए गए प्रश्नों के निर्धारित फार्मेट में निश्चित किये उत्तरों को रटकर हल करके उच्चतम अंक या पूर्णांक प्राप्त करना आज सरल हो गया है । इस वजह से बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत या उसके आसपास अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या बहुत बढ़ गयी है लेकिन यही बच्चे निर्धारित पाठ्यक्रम से हटकर स्वाभिव्यक्ति की परीक्षा में पिछड़ जाते हैं । काबिलियत साबित करने के लिए कामयाबी का टैग लगाना जरुरी है क्योंकि स्वभाव वश हम सब कामयाबी का ही जश्न मनाते हैं ।

बोर्ड्स और विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ली जाने वाली परीक्षाओं की भी कमोबेश यही स्थिति है । इनमें भाग लेने वाले लाखों विद्यार्थियों में से कुछ ही सफल हो पाते हैं। सफलता का मापदंड कुछ विशेष कोर्सेस में प्रवेश मिल जाना है । अंकों के आधार पर होने वाले प्रवेश में छात्र सिर्फ भविष्य में ऊंचे पैकेज दिलाने वाले विषयों का चयन करते है, भले ही वे उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार हो या नहीं । इन विषयों में डिग्री प्राप्त करने के बाद भी अनेक बच्चे कई बार कार्यक्षेत्र में सफल और संतुष्ट नहीं हो पाते और बाद में दूसरे क्षेत्रों में अपना भाग्य आजमाते देखे जाते हैं । न तो ये बच्चे उस विषय में काबिल हो पाते हैं, न ही अपने क्षेत्र में कामयाब ।

अंको के आधार पर आंकी गयी योग्यता बालक के बौद्धिक विकास का ही आकलन करती है। किंतु केवल इसी आधार पर व्यक्ति के भविष्य की सफलता या असफलता का अनुमान नहीं लगाया जा सकता । प्राय: देखा गया है कि शैक्षणिक क्षेत्र में उच्च शिखर पर पहुंचने वाले समाज के लिए विशेष योगदान देते हुए दिखाई नहीं देते । इसके विपरित शिक्षा में सामान्य या औसत रहे लोग परिवार और सामाजिक सेवा आदि में बढ़चढ़कर आगे आते दिखते हैं । व्यक्ति की कामयाबी केवल शिक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने या अधिक धन कमाने से नहीं आंकी जानी चाहिए वरन् मानवीय गुणों में भी स्वयं की काबिलियत देश, समाज और परिवार के समक्ष रख सके तो वास्तव में वो एक कामयाब व्यक्ति हो सकता है । आगामी समय में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा कोई परिवर्तन हो सके तो यह बड़ी उपलब्धि होगी । हमारे आज के प्रतिभाशाली और कामयाब छात्र छात्रायें भविष्य में उतने ही काबिल भी बनें ऐसी ही शुभकामनाओं के साथ... – अनुपमा जैन, सहसंपादिका, इन्दौर

आयुष बने एपल के सबसे छोटे डेवलपर

अमेरिका में निवासरत अमित–आभा जैन के 10 वर्षीय सुपुत्र आयुष ने पिता के चेलेंज को स्वीकार कर एपल कान्फ्रेंस में फीजिक्स पर आधारित गेमिंग एप मात्र 10 दिन में ही बना डाला । आयुष को रोजाना 30 मिनिट के लिए ही डिजिटल डिवाईस इस्तेमाल करने का अवसर मिलता था लेकिन इतने कम समय में भी वह अपने पंसदीदा शौक कोडिंग करता है । आयुष के पिता ने बताया कि आयुष को मोबाइल कम्प्यूटर के लिए रोजाना 30 मिनिट का समय मिलता है इतने समय में वह कोडिंग के साथ गेमिंग भी कर लेता है । इसकी प्रतिभा को देखकर मैंने आयुष को एपल कान्फ्रेंस में जाने की चुनौती दे दी और कहा कि वह प्रतियोगिता में प्रवेश नहीं कर पायेगा । आयुष ने इस चैलेंज को स्वीकार कर मात्र 10 दिन में ही गेमिंग एप बनाकर एपल के सबसे छोटे डेवलपर होने का रिकार्ड बनाया ।

इस अवसर पर आयुष ने कहा कि मेरे माता पिता टेक्नोलॉजी फील्ड से है उन्हें कोडिंग करते देख बचपन से ही कोडिंग पसंद आने लगी थी । एपल कान्फ्रेंस में आकर मैने कई चीजें सीखी है । ऐसी चीजें जिसके बारे में ज्यादातर लोग नहीं सोचते है, खुद का मोबाइल न होने से दूसरे एप इस्तेमाल नहीं कर पाता हूँ । मेरी रुचि कारों और उनकी खास टेक्नोलॉजी में भी है । बड़ा होकर मैं टेस्ला जैसी कारें के तकनीक पर काम करना चाहता हूँ । आयुष गोलालारीय दर्शन के परम संरक्षक श्री सुभाष–बसंती जैन, मुंबई के नाती है ।

उपलब्धियों पर हार्दिक शुभकामनाएँ...

श्री आशीष डॉ. कुंदनलाल–कुसुम जैन, राजस्थान के सिंघानिया विश्वविद्यालय से **"सूर्य नमस्कार एवं योगासन व्यायामों का बुंदेलखंड विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालयीन एवं खो–खो पुरुष खिलाड़ियों की क्रियात्मक क्षमता के घटकों पर प्रभाव"** विषय पर पी.एच.डी कर उपाधि हासिल की । आप मऊरानीपुर स्थित श्रीराम धाम स्नातकोत्तर महाविद्यालय बी.एड. विभाग के प्रवक्ता है ।

कु. राखी सुपुत्री रविन्द्र–सरिता जैन, इन्दौर ने आईआईटी मद्रास से स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग (एम.एस.) कर वर्तमान में टोरंटो, कनाड़ा में पदस्थ है ।

श्री मधुर सुपुत्र रविन्द्र–सरिता जैन, इन्दौर ने इस वर्ष सीए की उपाधि प्राप्त कर बैंगलोर की प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत है ।

श्री श्रेय जैन सुपुत्र स्वतंत्रकुमार जैन, चचई ने सोलापुर स्थित व्हीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में बेस्ट स्टूडेंट ऑफ ईयर का अवार्ड प्राप्त कर अपनी शिक्षा पूर्ण कर पुणे की प्रतिष्ठित कंपनी में कार्य भार ग्रहण किया ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

संपादकीय... बस ! अब और नहीं

11 वर्ष पहले सामाजिक गतिविधियों के साथ समाज के प्रतिभाशाली बच्चों व विवाह योग्य प्रत्याशियों की जानकारी गोलालारीय समाज के प्रत्येक परिवार को सुगम रुप से प्राप्त हो इस पावन उद्देश्य को आत्मसात कर समाज की एकमात्र पत्रिका **"गोलालारीय दर्शन"** का प्रकाशन प्रारंभ किया गया था।

2000 प्रतियों से प्रारंभ किया गया हमारा सफर आज देशभर में 4200 गोलालारीय परिवारों तक पहुँच गया है। इस प्रयास में हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधियों का योगदान अतुलनीय है। पत्रिका प्रकाशन के लिये पाठन योग्य सामग्री के साथ धन की भी अत्यंत आवश्यकता होती है। हमें खेद के साथ कहना पड़ता है कि हमारे 4200 जागरुक परिवारों में से सिर्फ 339 परिवारों से ही सदस्यता शुल्क प्राप्त हुआ है जिसमें 25/- से 2000/- तक सहयोग देने वाले परिवार 221 है व शिरोमणि संरक्षक (21000/-) से विशेष सहयोगी (2100/-) तक सदस्यता शुल्क ग्रहण करने वाले 118 परिवार है। आप स्वयं आत्मालोकन करे कि अपने समाज के लिये आपने अपनी सार्मथ्य अनुसार इस प्रयास में कितनी मदद की है ?

हम हृदय से उन परिवारों का आभार मानते हैं जिन्होंने अपने परिवार के मांगलिक/धार्मिक व परिजन की स्मृति में हमें विज्ञापन देकर **गोलालारीय दर्शन** को प्राणवायु दी है।

स्थानीय प्रतिनिधियों के माध्यम से हमने अपनी समाज के परिवारों से पत्रिका की सदस्यता से जोड़ने के प्रयास किये परन्तु अधिकांश समाजजनों की निष्क्रियता हमारे सभी प्रवासों पर भारी पड़ी। उक्त परिदृश्य में हमारा ऐसा मानना है कि कुछ परिवार मुखिया आज भी यहीं भावना रखते है कि **गोलालारीय दर्शन** पत्रिका प्राप्त करना उनका नैतिक अधिकार है और इस अधिकार के लिए उनका कोई दायित्व नहीं है शायद यहीं सोच हमारे समाज की किसी भी संस्था को सुदृढ़ नहीं होने देगी। हमें गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर कितने वर्षों तक कोई संस्था नि:शुल्क पत्रिका भेज सकेगी जबकि उसके आय के स्रोत सीमित हो। एक ना एक दिन संस्था के अस्तित्व पर सवाल उठना प्रारंभ हो जावेंगे ? आज वह दिन आ गया है जब हमने दिल से नहीं दिमाग से यह कठोर निर्णय लिया है कि आगामी अंको से हम उन परिवारों को पत्रिका भेजना बंद कर देंगे जिन्होंने गत 10 वर्षों में कोई भी राशि सदस्यता शुल्क के रुप में जमा नहीं करायी है। हमारा दायित्व सिर्फ उन परिवारों तक ही सीमित रह पायेगा जिनके द्वारा आजीवन सदस्यता के रुप में सहयोग प्राप्त हुआ है।

आज के दौर में 1100/-, 2100/-, 5100/- व 11000/- की राशि बहुत बड़ी रकम नहीं है। इससे भी कहीं अधिक राशि हम अपने परिवार के छोटे से कार्यक्रम में खर्च कर देते है। धार्मिक व मांगलिक कार्यों पर हम बढ़ चढ़कर धन खर्च कर देते है परंतु **"गोलालारीय दर्शन"** को सहयोग देने के लिए हम अपना दिल क्यों नहीं खोल पाते हैं। अचरज तब होता है कि समाज का हर वर्ग अपनी मातृसंस्था के उत्थान के लिए इतने उदासीन क्यो है जबकि हम सबकी पहचान हमारे गोलालारीय समाज से ही है।

आज के परिवेश में जब हर समाज अपनी संस्था को सुदृढ़ बनाने में लगा है तो हम इतने उदासीन क्यों हो रहे है ? हमारी उदासीनता हमारे समाज को ढलान की ओर ले जा रही है, हमारा मजबूत आधार दरकता जा रहा है। युवा पीढ़ी अपने नाते रिश्तेदारों से अनभिज्ञ हो रही है। परिवार के बुजुर्ग हमारे बीच रहकर हमें अपने संबंधियों का बोध करा रहे हैं आगे परिस्थिति कितनी प्रतिकूल होगी हमें इस पर गंभीरता से विचार कर सुधार हेतु सकारात्मक प्रयास करना होगा। अपनी मातृसंस्थाओं को जीवित रखना एक समूह नहीं अपितु सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बिना आर्थिक सुदृढ़ता के कोई भी संस्था लंबे समय तक संघर्ष नहीं कर सकती है। यदि हमें हमारी संस्थाओं को समाज हित में जीवित रखना है तो अपने पूर्वाग्रह को त्याग कर अपने सार्मथ्य अनुसार समाज की एकमात्र पत्रिका **"गोलालारीय दर्शन"** के सदस्य बनकर सुचारु संचालन में सहयोगी बने। सदस्यता शुल्क की पूर्ण जानकारी इसी पृष्ठ पर अंकित है।

50 वर्ष पूर्ण होने पर पंचकल्याणक महोत्सव साआनंद संपन्न

इन्दौर अरविन्द जैन। मध्यप्रदेश की धार्मिक एवं औद्योगिक नगरी इन्दौर के परदेशीपुरा दिगम्बर जैन मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज के आशीर्वाद से उनके ज्येष्ठ व आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 प्रशांतसागरजी व 108 निर्वेगसागरजी महाराज ससंघ सानिध्य में 26 मई से 31 मई तक श्री 1008 मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक जिनबिम्ब प्रतिष्ठा, त्रिगजरथ रथ यात्रा एवं विश्वशांति महायज्ञ महोत्सव सुगनादेवी परिसर में साआनंद संपन्न हुआ। महोत्सव में प्रतिदिन नित्य पूजन, अभिषेक पश्चात अनेक आयोजनों में समाजजनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य इन्दौर गोलालारीय समाज के ट्रस्टी श्री कमलचंद-संध्या जैन को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत महाराजश्री ने परदेशीपुरा जैन मंदिर को अतिशय क्षेत्र कहकर संबोधित किया। इन्दौर के इतिहास में किसी मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने और मंदिरजी में 3 बार पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव होने का सौभाग्य परदेशीपुरा जैन मंदिर समाज को मिला है। साआनंद संपन्न कार्यक्रम पर महोत्सव अध्यक्ष श्री अरविंद जैन ने सभी सहभागियों व महोत्सव में पधारें समाजजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इन्दौर के पूर्वोत्तर क्षेत्र के स्कीम नं. 78 में मंदिरजी से पास ही संत सदन, स्वाध्याय हॉल, प्रवचन हॉल, औषधालय, लायब्रेरी एवं आहार कक्ष हेतु बहुपयोगी भवन निर्माण का शिलान्यास परम पूज्य अंर्तमना मुनि श्री प्रसन्नसागरजी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बहुउद्देशीय संत निवास के लिए समाज श्रेष्ठीयों ने बढ़चढ़कर राशी प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में लिए स्कीम नं. 78 के समग्र जैन समाज के साथ साथ नगर के बाहर से भी श्रेष्ठीजन पधारें थे। कार्यक्रम का कुशल नेतृत्व परम सम्मानीय तरुण भैयाजी द्वारा किया गया। मंदिर अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन ने कार्यक्रम में पधारें सभी श्रेष्ठीजनों का आभार व्यक्त किया।

गंजबासौदा समाज के चुनाव संपन्न

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज गंजबासौदा के संगठन हेतु दिनांक 22.06.2019 को सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुए जिसमें * संरक्षक मंडल - डॉ. डी.के. जैन, श्री शांतिकुमार जैन, श्री अशोक कुमार गुड़िया, श्री विजयकुमार इंजीनियर * अध्यक्ष - श्री शिखरचंद जैन 'शिखर' * कार्याध्यक्ष - श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट * कोषाध्यक्ष - श्री अहमेन्द्र कुमार जैन * सचिव - श्री अशोक कुमार जैन वर्धमान * उपाध्यक्ष - श्री राकेश कुमार सर्राफ, श्री रमेशचंद भंडारी * संगठन मंत्री - सनत कुमार भंडारी निर्वाचित हुए।

* समाज के माननीय सदस्यों से सादर अनुरोध है कि आपके द्वारा गोलालारीय दर्शन पत्रिका में किसी भी मद में आपके द्वारा नगद/चेक द्वारा राशि जमा कराई गई हो (सीधे बैंक खाते में इन्दौर कार्यालय या क्षेत्रीय प्रतिनिधियों) और आपको रकम की रसीद प्राप्त नही हो पाई हैं तो आप हमें 9424013136 पर दोपहर 3 से रात 10 बजे तक सूचित कर सकते हैं ताकि आपको शीघ्र ही रसीद भिजवाने की व्यवस्था की जा सके। गोलालारीय दर्शन में सदस्यता शुल्क का विवरण पत्रिका पर लगे पते के स्टीकर पर उल्लेखित हैं। किसी भी प्रकार के सुधार के लिए आप चर्चा करते समय स्टीकर पर अंकित सदस्यता क्रमांक अवश्य बताएं ताकि उचित सुधार संभव हो सके।

* वर्तमान में 4200 परिवारों को पत्रिका नियमित भेज रहे हैं इन पतो में किसी भी प्रकार का परिवर्तन कराना चाहते हैं तो पत्रिका के वॉटसएप नं. 94067-44064 पर पोस्ट करे। यह फोन चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

गर्विका, जबलपुर
निहारिका-रत्नेश जैन
1ली - ए1

भाविता, तालबेहट
आकांक्षा-विशाल जैन
1ली - ए++

आशिका, देवास
अंजली-विनय जैन
1ली - 95.25%

पर्व, बबीना
दिप्ती-राहुल जैन
1ली - 77%

आरव, अहमदाबाद
रश्मि-आलोक जैन
2 री - ए+

अवनि, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
2 री - ए1

नित्या, इन्दौर
भावना-अभिषेक जैन
2 री - ए

अर्नव, उज्जैन
प्रतिभा-आशीष जैन
2 री - 99%

नीर, पन्ना
मंजुला-प्रदीप जैन
2 री - 96.79%

अनेकांत, ललितपुर
रागिनी-राजीव जैन
2 री - ए1

सर्वज्ञ, इन्दौर
अश्विनी-नितिन जैन
2 री - ए1

अर्नव, इन्दौर
ज्योति-शिरीष जैन
2 री - ए1

देशना, जबलपुर
निहारिका-रत्नेश जैन
4 थी - ए

कक्षा, अहमदाबाद
रीना-रीतेश जैन
4 थी - ए1

हर्षिल, इन्दौर
तारिका-पीयूष जैन
4 थी - ए1

प्राची, इन्दौर
अनीता-प्रमोद जैन
4 थी - ए1

आशिका, नसीराबाद
निधि-डॉ. अमित जैन
4 थी - 89.5%

दीर्घा, इन्दौर
हेमा-सचिन जैन
5 वी - ए1

अवधि, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
5 वी - ए1

कुलीश, इन्दौर
सपना-अंचल पंचरतन
5 वी - ए1

महक, विदिशा
मोहनी-राकेश जैन
5 वी - ए2

अनुष्का, इन्दौर
शीतल-अंकित जैन
5 वी - ए2

नैन्सी, इन्दौर
नेहा-दीपक जैन
5 वी - ए2

श्रेया, ग्वालियर
अंशू-मनीष जैन
5 वी - .....

चिदेश, इन्दौर
रेशू-निशांत जैन
5 वी - ए1

अविचल, नसीराबाद
निधि-डॉ. अमित जैन
6 टी - 94.85%

पावन, इन्दौर
प्रीति-संदीप जैन
6 टी - ए1+

अक्षिता, इन्दौर
सोनू-महेन्द्र जैन
6 टी - ए2

आर्या, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
6 टी - 76%

अक्षत, विदिशा
सुमन-आनंद जैन
6 टी - ए1

अंश, ललितपुर
मीनी-मुकेश जैन
6 टी - 82.18%

कशिश, इन्दौर
आराधना-नीलेश जैन
6 टी - 87.93%

अर्हम, ललितपुर
रागिनी-राजीव जैन
6 टी - ए2

अनवी, उज्जैन
प्रतिभा-आशीष जैन
7 वी - 98%

आर्जव, देवास
अंजली-विनय जैन
7 वी - 92.17%

सुमित, पन्ना
मंजुला-प्रदीप जैन
7 वी - 90.50%

अतिशय, विदिशा
रचना-राकेश जैन
7 वी - ए

पुनीत, ललितपुर
ममता-संदीप जैन
7 वी - 81.03%

अनन्य, अहमदाबाद
रश्मि-आलोक जैन
7 वी - ए1

श्रेया, गडगांव, पन्ना
ज्योति-सुनील जैन
7 वी - ए1

वंशिका, इन्दौर
प्रीति-संजय जैन
7 वी - ए2

प्रेक्षा, इन्दौर
रक्षा-प्रवीण जैन
7 वी - 88.1%

लक्ष्य, विदिशा
सुमन-आनंद जैन
8 वी - 91%

दीक्षा, गोपाल
सपना-राजेश जैन
9 वी - 93%

कृतिन, इन्दौर
मीना-मनीष जैन
9 वी - 91.2%

जेसिका, बबीना
संगीता-राकेश जैन
9 वी - 90.8%

रीत, इन्दौर
विनीता-आशीष जैन
9 वी - 90.6%

प्रांजल, नरवर
रागिनी-दिनेश जैन
9 वी - 88.8%

आदित्य, भोपाल
रश्मि-राजेश जैन
9 वी - 87.2%

अपूर्व, ललितपुर
मालती-आशीष जैन
9 वी - 81.8%

आस्था, गंजबासौदा
सरिता-अजय जैन
10वी - 93.4% CBSE

सौम्या, ललितपुर
मीनी-मुकेश जैन
10 वीं- 91.80%

वेद, देवास
ममता-हेमंत जैन
10वी - 92% CBSE

वंश, इन्दौर
सपना-अंचल जैन
10वी - 71.6% CBSE

पारस, इन्दौर
साधना-प्रदीप जैन
10वी - 82% CBSE

यश, इन्दौर
संगीता-हेमंत जैन
10वी - 88% CBSE

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

दीया, जयपुर
अभिलाषा-राकेश जैन
10वी - 94.2%
CBSE

प्रज्ञेश, पन्ना
सुनील जैन
10वी - 94.2%
CBSE

मयूरी, पृथ्वीपुर
कविता-मनोज जैन
10वी - 92.4% बोर्ड

वर्धिता, विदिशा
संगीता-धर्मेश जैन
10वी - 92.2% बोर्ड

आदि, इन्दौर
संगीता-राजेश जैन
10वी - 86.6%
ISCE

सौम्या, जबलपुर
प्रीति-बसंत जैन
10 वीं- 77.50%

आयुष, ललितपुर
मालती-आशीष जैन
11वी - 80%

नयन, नरवर
रागिनी-दिनेश जैन
11वी - 82.2%

स्तुति, पवई
प्रियंका-संजय जैन
12वी - 94.6%
CBSE - Commerce

भूमि, विदिशा
मोहिनी-राकेश जैन
12वी - 84%
CBSE - Commerce

स्नेहा, पवई पन्ना
बबीता-पवन जैन
12वी - 83.2%
CBSE - Commerce

खुशी, झाँसी
अनुपमा-अमित जैन
12वी - 94.2%
CBSE - Commerce

राहुल, विदिशा
प्रीति-राजेन्द्र जैन
12वी - 81%
CBSE - Commerce

अनुष्का, खरगोन
डॉ.कीर्ति-अनुराग जैन
12वी - 86.2%
CBSE - PCM

विबोध, ललितपुर
अर्पिता-पवनकुमार जैन
12वी - 87.6%
CBSE - PCM

हर्ष, इन्दौर
संगीता-हेमंत जैन
12वी - 75.8%
CBSE - PCM

सृष्टि, इन्दौर
संतोष-संदीप जैन
12वी - 79%
CBSE - PCM

खुशी, इन्दौर
संध्या-ऋषिकुमार जैन
12वी - 77.8%
Board - PCB

स्वस्ति, भोपाल
सविता-अशोक जैन
12वी - 90%
CBSE - PCB
Select in NEET

अतिशय, इन्दौर
आनंद-नीरज जैन
12वी - 82.2%
ISCE - PCM

श्रुतिका, झाँसी
राशी-राजेश जैन
12 वी - 77.80%
ISCE

महिमा, झाँसी
राशी-राजेश जैन
MBA Tourism
74.50%

नित्यता जैन मध्यप्रदेश की पहली वुमन फिडे मास्टर

15 वर्षीय नित्यता जैन को विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) से ''वूमन फिडे मास्टर'' का अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टाइटल हासिल कर एक बार फिर अपने परिवार, समाज व इन्दौर नगर का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवांवित किया है। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज जगत में अब नित्यता को ''डब्लू.एफ.एम. नित्यता जैन'' के नाम से जाना जायेगा। आप वर्तमान में मध्यप्रदेश की एकमात्र वुमन फिडे मास्टर है।

प्रतिभाशाली विशेषांक में प्रकाशन हेतु प्राप्त फार्म वाट्सएप्प/ईमेल के द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर ही प्रकाशन किया गया है। इसमें वरीयता का कोई भी क्रम नहीं है। कक्षा अनुसार विद्यार्थियों की जानकारी दी गयी है। इस प्रक्रिया में हमारे द्वारा कोई त्रुटि रह गयी हो तो हम उसके लिए करबद्ध क्षमाप्रार्थी है।

15 मिनट के चार योगासन - आपकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव ला सकते है।

आमोद जैन, कानपुर। राजधानी दिल्ली में योग दिवस के दिन आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्री 108 प्रणम्य सागरजी द्वारा एक मिसाल पेश की गयी। इस दिन दिल्ली के लाल किले प्रांगण में करीबन 13000 लोगों को एक साथ अर्हम योग उनके मार्गदर्शन कराया गया।

अममून लोग योग, एक्सरसाइज न कर पाने के बहाने में समय न मिलने को बड़ी वजह बताते हैं। जबकि मेरा ये मानना है कि जो लोग ये कहते हैं, वो स्वयं को प्राथमिकता ही नहीं देते। वो खुद को नज़रअंदाज करते हैं। दरअसल कई बार ये देखा गया है, कि यदि उन्हीं लोगों को स्वस्थ्य होने के लिए डॉक्टर द्वारा योगासन या एक्सरसाइज अनिवार्य कर दी जाए,तो वो इसे सहज स्वीकार कर लेते हैं। कुछ समय पहले तक हमारी लाइफस्टाइल में योग शामिल था। इसलिए बहुत ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। दरअसल मानसिक और शारीरिक रुप से स्वस्थ्य होने के लिए योग के सभी आसन हमारे जैन मुनियों द्वारा बनाए गए हैं। कुल 84 योगासन में 28 आसन वो हैं, जिन्हें बैठकर ध्यान लगाकर किया जाता है। मानसिक शांति, तनावमुक्ति के लिए ये अहम हैं, जबकि 56 आसन गत्यात्मक आसन हैं, जो शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए किये जाते हैं। वे लोग जो योग के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं दे सकते, वो भी महज 10 से 15 मिनिट में कुछ योगासन से स्वस्थ शरीर पा सकते है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए स्पाइन, जॉइंट, पेट का स्वस्थ होना जरुरी है। साथ ही शरीर को कुछ आराम भी चाहिए। इसलिए यदि व्यक्ति 3 से 4 मिनट के लिए भी ये चार योगासन करता है, तो वो स्वस्थ रह सकता है।

बैकबोन के लिए ताड़ासन – दोनों पंजो में 10 सेंटीमीटर की जगह छोड़कर खड़े हो जाएं। बाजुओं को बगल में रखे। शरीर को स्थिर करें और शरीर का वजन दोनों पैरों पर समान रूप से दें। हाथों को ऊपर उठाएं और दोनों हाथों की उंगलियों को एक दूसरे में फंसाकर हथेलियां ऊपर की ओर रखें। बाजुओं, कंधो और छाती को ऊपर की तरफ खीचें और एडियां उठाकर पंजों के बल खड़े हो जाएं। **असर –** रीढ़ की हड्डी में खिंचाव लाकर उसके विकार खत्म करता है। शरीर के पॉश्चर में भी सुधार होता है। साइटिका के दर्द से भी राहत दिलाता है।

जोड़ो के लिए उत्कटासन – ताड़ासन में खड़े होकर, श्वास अंदर लें। घुटनों से पैरों को मोड़ते हुए, कूल्हों को नीचे की तरफ लाएं। पीठ सीधी रखें। बिना संतुलन खोए नीचे की ओर आएं और कुर्सी पर बैठ जाने की मुद्रा में आ जाएं। सांस अंदर लेते हाथों को सिर के ऊपर उठाएं और हथेलियों को जोड़ लें। 5-7 बार सांस लेने के बाद इस मुद्रा से बाहर आ जाएं। **असर –** घुटनों, जांघो, पिंडली और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है।

पेट के लिए पश्चिमोत्तानासन – जमीन पर पैरों को सीधे फैलाकर बैठ जाएं। गर्दन, सिर और रीढ़ की हड्डी को भी सीधा रखें। दोनों हथेलियों को घुटनों पर रखें। सिर और धड़ को धीरे से आगे की ओर झुकाएं और घुटनों को बिना मोड़े हाथों की उंगलियों से पैरों की उंगलियों को छूने की कोशिश करें। गहरी श्वास लें और धीरे से श्वास को छोड़ें। सिर और माथे को घुटनों से छूने की कोशिश करें। **असर –** पेट और उसके आसपास जमी चर्बी दूर होती है।

शिथिलीकरण के लिए श्वासन – ये आसन करने के लिए पीठ के सहारे जमीन पर लेट जाएं, पैरों को सीधा रखें। दोनों हाथों को शरीर से 5 इंच की दूरी पर रखें। दोनों हथेलियां आसमान की दिशा में हो। अब शरीर के हर अंग को ढीला छोड़ दें, और आंखों को बंद कर लें। मृत प्रायः शरीर की भांति। हल्की सांसें लें और ध्यान श्वासों पर होना चाहिए। मन में दूसरे किसी विचार को आने न दें। **असर –** एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ती है। गंभीर रोग जैसे उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी से भी राहत मिलती है।

योग्य वर की तलाश में केवल नौकरी को प्राथमिकता देना ठीक नहीं

विशाल जैन, पवा । गोलालारीय दर्शन के विगत अप्रैल 2019 अंक में पत्रिका की सह संपादिका अनुपमा जैन ने ''योग्य वर वधू की तलाश-आज के परिवेश में'' कॉलम के माध्यम से समाज की ज्वलंत समस्या को उठाया है । जो निश्चित ही सभी के लिए विचारणीय हैं । जिसकी एक पंक्ति ने बहुत अधिक प्रभावित किया है कि छोटे शहर या कस्बे में रहने वाले, स्वयं का पारम्परिक व्यवसाय संभालने वाले परिवारों का जीवन स्तर भी कई बार बहुत अच्छा है । उनके आर्थिक संघर्ष भी बड़े शहरों की तुलना में कम होते हैं । यह बात जो कि यथार्थ सत्य है सभी को समझने की आवश्यकता है । आज बेटी के लिए योग्य वर की तलाश में माता-पिता नौकरी को बहुत अधिक तवज्जो दे रहे हैं यह गलत है। मैं ऐसे वर को गलत नहीं ठहरा रहा हूँ बल्कि उस प्राथमिकता को गलत ठहरा रहा हूँ जो नौकरी करने वाले को व्यवसाय संभालने वाले वर से अधिक दी जा रही है । जबकि यदि चिंतन किया जाये तो व्यवसाय संभालने वाले वर के पक्ष में अधिक सकारात्मक पहलू हैं ।

सर्वप्रथम तो धार्मिक दृष्टि से नौकरी की अपेक्षा व्यवसाय अधिक उत्कृष्ट कार्य है तत्पश्चात विचार कीजिये तो अर्थ की दृष्टि से भी सामान्य व्यापार सामान्य नौकरी से एवं बड़ा व्यापार नौकरी से अधिक अच्छा है क्योंकि सामान्य व्यापारी की आय लगभग दो वेतन से अधिक होती है । एक अन्य बात जिस परिवार में व्यापार है तो उसका भविष्य भी बेहतर है क्योंकि आने वाली पीढ़ी अपना व्यापार तो संभाल ही सकती है लेकिन आरक्षण के इस युग में कोई जरुरी नहीं कि सामान्य वर्ग के बच्चों को नौकरी मिल ही जाये । फिर सोचो कि उसे नया व्यापार स्थापित करने में कितनी समस्या होगी । अत: हम तर्क सहित कह सकते है कि योग्य वर की तलाश में व्यापार से अधिक नौकरी को तवज्जों देना ठीक नहीं है । आज के परिवेश में समस्याओं की कोई कमी नहीं है । जिसे अकेले वहन करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है, अत: हमें संयुक्त परिवार को प्राथमिकता देना चाहिए क्योंकि समस्या हर स्थिति में है तो बेहतर विकल्प यही है कि मिलजुलकर समस्याओं का सामना किया जाये । सबसे बेहतर विकल्प है कि अपनी बेटी के लिए ऐसे वर का चयन करें जिस परिवार का एक भाई नौकरी में और दूसरा व्यापार में हो ऐसी स्थिति में समस्यायें बहुत कम हो जाती है । लेकिन वर का चयन करते समय हमें उनमें भी भेदभाव करने की आवश्यकता नहीं है । प्राय: देखा जाता है कि नौकरी की प्राथमिकता पर बेटी की तुलना में कम सुंदर वर का चयन कर लिया जाता है, लेकिन संस्कारों से वशीभूत बेटी एतराज नहीं कर सकती लेकिन मन ही मन कुंठित हो सकती है । शायद इसका किसी को एहसास नहीं, अत: आज की पीढ़ी हम दो हमारा एक या एक बेटा एक बेटी को प्राथमिकता दे रहा है लेकिन वह यह नहीं सोचते कि बिना भाई के इसका जीवन कितनी पारिवारिक जिम्मेदारी एवं मुश्किलों से भरा होगा, इस और विशेष रुप से ध्यान देने की आवश्यकता है ।

साधर्मी वात्सल्य योजना - एक आत्मीय निवेदन

यह तो आप जानते ही हैं कि प्रत्येक माता पिता के लिए उनके बच्चें उन्हें अपने प्राणों से भी ज्यादा प्यारे होते है । वे सब कुछ खोकर भी बच्चों को बड़ा और अच्छा इंसान बनाना चाहते है । उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जब आपने उन्हें अपने नगर से बाहर पढ़ाने की भावना रखी तब से ही आपको कई रातों तक नींद नहीं आई होगी । उनके रहने, खाने, आने जाने जैसी सब बातों को सोच सोचकर मन में एक ही बात बार-बार आती थी कि बच्चें अच्छी और सच्ची, उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पायेंगा तो उनका भविष्य कैसे महान बन पायेगा । हमने तो जैसे तैसे अपना जीवन यापन करन लिया किन्तु बच्चों को कलेक्टर, जज, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस, शिक्षक इत्यादि अफसर तो बनाना ही है । जानते हैं कि माता पिता से अलग रहकर पढ़ना कोई सरल कार्य नहीं है । अपना सब परिवारजन, मित्रों, सहपाठियों को छोड़कर वहां बसना जहां अपना कोई न हो आपने स्वीकार किया । क्योंकि आप भी चाहते है मुझे कुछ ऐसा करना है कि जिससे मेरे माता पिता, समाज, नगर का नाम रोशन हो सके ।

शहरी वातावरण में रहते हुए आपको यहां भी कुछ अपनापन मिल सके इस हेतु धर्म के माता पिता के रूप में कोई श्रावक श्राविका आपके सहयोगी बन सके इसी मंगल भावना से ''साधर्मी वात्सल्य योजना'' का प्रारंभ किया गया है । यदि आप चाहते है कि हमारा जीवन बुराइयों से बच सकें, सत्संगति का लाभ मिलें, हमारी शिक्षा संस्कारों से परिपूर्ण एक आदर्श जीवन शैली का कारण बनें, हमे परिवार जैसा संरक्षण मिल सके तो आप भी हमारे इस अभियान से जुड़े । हम ऐसे साधर्मी श्रावकों से आपका परिचय करा देंगे जो आपके धर्म के माता पिता बनकर अध्ययन काल तक आपके सहयोग संरक्षण के लिए तत्पर रहेंगे । हमारी भावना का आदर करते हुए इस योजना से जुड़ने के लिए संपर्क करे - नागेन्द्र जैन 9425074782, सीए आशीष जैन 9425312972, सीएस अभय जैन 9039351139, मिली जैन 9926058201, डॉ. शिवानी जैन 6268836364, एम.के. जैन एलआईसी 9425804534, प्रोफेसर विशाल जैन 9893642096, अभिषेक जैन 9827075715

भगवान के दर्शन करने वाला व्यक्ति असाधारण होता है ।

जिनेन्द्र भगवान के मंदिर में दर्शन पूजन को आने वाले किसी भी साधारण व्यक्ति को साधारण न समझें वह असाधारण हैं । पुण्यहीनों को भगवान के दर्शन नहीं मिला करते हैं। जो सौभाग्यशाली हैं, पुण्यात्मा हैं उन्हें ही भगवान के दर्शन और पूजन का अवसर मिलता है । इसीलिए अपने सौभाग्य के जागरण को वीतरागी भगवान के दर्शन पूजन का पुरुषार्थ अवश्य ही करना चाहिए । दिल्ली के सफदरगंज हॉस्पिटल में न्यूरोलॉजी के विभागाध्यक्ष रहे डॉ. डी.सी. जैन ने यह बात गोलालारीय दर्शन पत्रिका के परामर्श प्रमुख व दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक कैलाशचंद्र जैन से विशेष भेंट वार्ता में कही । उन्होंने कहा कि भगवान की पूजा का मतलब अपने आपको प्रभू चरणों में झुका देना और समर्पित हो जाना है । क्योंकि ''पश्चयति पुण्य रहिता न वीतराग'' अर्थात पुण्यहीन को वीतरागी भगवान के दर्शन नहीं हुआ करते हैं । जो भी अपने ज्ञान का अहंकार करते हैं उनका पतन हो जाता है । इसलिए परमात्मा में अगाध श्रद्धा का जागरण करिएगा । मन लगे या न लगे प्रभू के चरणों में झुके रहने से एक न एक दिन अवश्य ही कल्याण का मार्ग मिल जाता है । भारत के स्वास्थ्य मंत्री रहे सी.पी. ठाकुर का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि सफदरगंज हॉस्पिटल का नाम तीर्थंकर वर्धमान महावीर के नाम से किया जाना भगवान महावीर की अहिंसा का बहुत बड़ा संदेश हैं । उन्होंने कहा कि अहिंसा परम धर्म है और आज के युग में भी किसी भी असाध्य कार्य को अहिंसा के बलबूते साध्य किया जा सकता है । बीमारियों की रोकथाम के लिए शाकाहार अपनाने अंडा, शहद का प्रयोग रोकने में कारगर बताते हुए उन्होंने कहा कि लेब मीट या फ्रेश मीट कैंसर का कारण है । यह तथ्य चाइना के विशेषज्ञों के शोध से प्राप्त हुआ है । लंबे व स्वस्थ जीवन के लिए शाकाहार को अपनाना चाहिए । आगामी अक्टूबर माह में दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक कान्फ्रेंस की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि त्रिदिवसीय इस कान्फ्रेंस में विश्व के कई देशों से विशेषज्ञ भाग लेंगे । जिसमें आत्मा व आध्यात्म के विषय में व्यापक जानकारी जावेगी । उल्लेखनीय है कि डॉ. डी.सी. जैन देश के प्रसिद्ध न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ है और मरीजों के शरीर उपचार के साथ साथ व उन्हें शाकाहार व अहिंसा की ओर प्रेरित करते हुए रात्रि भोजन, अंडा, शहद आदि के सेवन का निषेध करने की सीख भी देते हैं । सेवानिवृत्ति पश्चात जिनेन्द्र भगवान की पूजा भक्ति स्वाध्याय करते हुए आज भी वे अपने के-16, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली के क्लिनिक में मरीजों की नियमित रुप से जांच कर योग्य सलाह देते हैं। संकलन - प्रवीणकुमार जैन, दैनिक विश्व परिवार

* विनम्र श्रद्धांजली *

स्व. सिंघई धन्नालाल जैन देवरान वालों की धर्मपत्नी **श्रीमती शांतीबाई जैन** का देवलोकगमन 28 अप्रैल को ललितपुर में हो गया । आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखती थी । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने ललितपुर क्षेत्र के आसपास के सभी तीर्थों में राशि दान की है ।

स्व. श्री सुनील कुमार जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती शर्मिला जैन** का देवलोकगमन 7 मई को इन्दौर में हो गया ।

डॉ. देवकीनंदन जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती लक्ष्मीबाई जैन** का देवलोकगमन 18 मई को कटेरा हो गया । आप अत्यंत धार्मिक स्वभाव की महिला थी । श्री 1008 शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र सेरोंनजी में तीर्थंकर बालक की मां (भगवान के माता पिता) बनने का सौभाग्य मिला था ।

स्व. श्री प्रकाशचंद जैन नौहरकलां वालों के सुपुत्र **श्री मनोज कुमार जैन** का देवलोकगमन 26 मई को ललितपुर में हो गया ।

स्व. शिखरचंद जैन के ज्येष्ठ पुत्र **श्री संदीप कुमार जैन** का अल्पायु में आकस्मिक देवलोकगमन 25 जून को इन्दौर में हो गया । आप मिलनसार व्यक्तित्व थे ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।

बधाईयाँ

भोपाल गोलालारीय समाज के अध्यक्ष, देवगढ़ (ललितपुर) ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट, हबीबगंज के संयोजक श्री प्रदीपकुमार जैन नौहरकलां ने देवगढ़ में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रवचन हॉल निर्माण हेतु भूमि पूजन किया । यह प्रवचन हॉल 1 करोड़ की लागत से निर्मित होगा । इसके पूर्व भी आपने इस क्षेत्र के विकास में आपकी सतत व सक्रिय भूमिका रही है ।

* एनी समीर जैन ने तैराकी की 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में रिकार्ड समय में 00.34.60 मिनिट का नेशनल रिकार्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया । एनी ने 2012 में बने रिकार्ड को तोड़कर अपना समय सुधार कर 00.34.60 मिनिट में स्पर्धा अपने नाम की है । आप गोलालारीय दर्शन के संरक्षक सदस्य श्री सुरेशचंद जैन एसबीआई वालों की पौत्री है ।

* प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य व दैनिक विश्व परिवार रायपुर के संपादक प्रदीप कुमार जैन को नवगठित उत्तरप्रदेश राज्य प्रेस मान्यता समिति का सदस्य नामित किया गया है । वे उत्तरप्रदेश राज्य मान्य समिति की बैठको में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में सहभागिता करेंगे ।

* प्रवीण कुमार जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोनीत - भारत में दिगम्बर जैन समाज की संसद संस्था दिगम्बर जैन महासमिति में प्रवीण कुमार जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोनीत किये गये है । झांसी जैन पंचायत के महामंत्री श्री प्रवीण कुमार जैन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष के मनोनयन से बुंदेलखंड को पहली बार गौरवशाली स्थान प्राप्त हुआ है ।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय (रेल्वे समयानुसार)
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.

प्रत्याशी का नवीन फोटो

---

1. 001
2. **अरिहंत अनिलकुमार जैन**
3. गुड़ारे/पंचरत्न
4. 28.02.1993
5. 01.50
6. कटनी
7. एम.कॉम (अध्ययनरत)
8. 5'6''
9. गेहुँआ
10. –
11. –
12. –
13. –
14. मे. वीतराग एजेंसी, मेन रोड़ रीठी
15. 9009333830, 8989400830

---

1. 002
2. **मयूरी अनिलकुमार जैन**
3. गुड़ारे/पंचरत्न
4. 17.07.1989
5. 08.10
6. कटनी
7. बी.ए., एम.ए (अध्ययनरत)
8. 5'2''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. –
14. मे. वीतराग एजेंसी, मेन रोड़ रीठी
15. 9009333830, 8989400830

---

1. 003
2. **पारुल पुष्पेन्द्र जैन**
3. वैध/सोनव्यारे
4. 2.10.1992
5. 00.20
6. जबलपुर
7. एम.सी.ए
8. 5'4''
9. गोरा
10. सर्विस–इन्दौर
11. 4.50 लाख
12. –
13. –
14. मोदी ऑफसेट बस स्टेण्ड, बाकल
15. 9755186909, 9165106909

---

1. 004
2. **हिमांशु राजेश जैन**
3. सिंघई/–
4. 11.06.1992
5. 12.22
6. जयपुर
7. बी.ए., जर्मन लैंग्वेज
8. 5'4''
9. गोरा
10. सर्विस–एमेजॉन, चेन्नई
11. 6.50 लाख
12. –
13. –
14. 291/10, सेवा ग्राम खजुराहो
15. 9854920514, 9294580117

---

1. 005
2. **अर्पित विनोदकुमार जैन**
3. लंगुर/चढ़ार
4. 05.08.1991
5. 23.20
6. इन्दौर
7. बी.ई (मेकेनिकल)
8. 5'9''
9. गोरा
10. सर्विस–पुणे
11. –
12. –
13. –
14. 4/14, विजय नगर, कृष्णा दूध डेयरी रोड़, इन्दौर
15. 9827923135, 9011779717

---

1. 006
2. **इंजी. शुभम राजेशकुमार वेद**
3. वेद/भंडारी
4. 24.01.1993
5. 2.33
6. बड़नगर
7. बी.ई. (सिविल)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. व्यवसाय– बड़नगर,इन्दौर
11. 6 अंको में
12. –
13. –
14. 104, बालकृष्ण बापूजी मार्ग, शांति निकेतन स्कूल के पास, बड़नगर
15. 9406821651, 07367–220274

---

1. 007
2. **अविरल राकेश जौहरी**
3. पवैया/सिंघई
4. 02.01.1990
5. 10.13
6. सागर
7. एम.टेक (सिविल)
8. 5'6''
9. गोरा
10. व्यवसाय–कॉन्ट्रेक्टर
11. 8.10 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. जौहरी राकेश कुमार जैन बड़ा बाजार, सागर
15. 9826544288, 9039303801

---

1. 008
2. **वैभव विनोद जैन**
3. बिलौआ/–
4. 22.10.1990
5. 21.15
6. –
7. एम.टेक
8. 5'7''
9. गोरा
10. सर्विस–शक्ति पंप, पुणे
11. 6.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. देव एजेंसी, बस स्टेण्ड के पास देवेन्द्र नगर, जिला पन्ना
15. 9425168378, 7987527806

---

1. 009
2. **रजत महेन्द्रकुमार जैन**
3. फणीश/वैध
4. 27.01.1994
5. 7.37
6. अहमदाबाद
7. बी.ई. (मेकेनिकल)
8. 5'11''/65 कि.
9. गोरा
10. सर्विस
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. डी–649, प्रितीपार्क सोसायटी अंबिका नगर, ओढ़व, अहमदाबाद
15. 9601311841, 9725474047

---

1. 010
2. **मोनालिसा अमितप्रकाश जैन**
3. बिलौआ/चढ़ार
4. 12.04.1992
5. 22.51
6. पन्ना
7. एम.सी.ए
8. 5'2''
9. गोरा
10. सर्विस–असि. प्रोफेसर
11. –
12. –
13. –
14. विशुद्ध मेडिकल स्टोर बड़ा बाजार, पन्ना
15. 8878819595, 8109037756

---

1. 011
2. **रवीश रवीन्द्रकुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. बी.टेक (आई.टी.)
8. 5'8''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–डेल इंडिया, बैंगलोर
11. 7.00 लाख
12. –
13. –
14. बी–19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. 9451832713, 9827739279

---

1. 012
2. **नमन अरुणकुमार जैन**
3. सोनव्यारे/पंचरत्न
4. 27.07.1988
5. 12.28
6. जबलपुर
7. बी.ई., एम.टेक
8. 5'3''
9. साफ
10. व्यवसाय–डिंडोरी
11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. जैन स्टोर्स, इंदिरा मार्केट डिण्डोरी
15. 9425853825, 07644–234352

---

1. 013
2. **सुनेहा अजितकुमार जैन**
3. सोनविहारे/बिलौआ
4. 18.02.1995
5. 18.20
6. जबलपुर
7. एम.बी.ए.
8. 4'11''
9. गोरा
10. सर्विस – बैंगलोर
11. 2.50 लाख
12. –
13. –
14. जैन स्टोर्स, इंदिरा मार्केट डिण्डोरी
15. 7746087463, 9425853825

---

1. 014
2. **शैफाली राजेश जैन**
3. मानोरिया/सोनविहारे
4. 22.06.1992
5. 11.02
6. विदिशा
7. बी.ई.(सी.एस.)
8. 5'4''/55 कि.
9. गोरा
10. सर्विस–इन्दौर
11. –
12. –
13. नहीं
14. 101/बी–1, महावीर एम्पायर रेसीडेंसी ब्रजेश्वरी एनेक्स, बंगाली चौराहा, इन्दौर
15. 9425967853, 9926363775

---

1. 015
2. **अतुल ज्ञानचंद भंडारी**
3. भंडारी/मणी
4. 25.02.1984
5. 21.30
6. गंजबासौदा
7. बी.कॉम, डी.एड
8. 5'3''
9. गेहुँआ
10. व्यवसाय–जनरल स्टोर्स
11. 7.20 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. बीच के जैन चैत्यालय के पास, गांधी चौक, गंजबासौदा
15. 9893623860, 9826859441

---

1. 016
2. **अखिल मनोज जैन**
3. पवैया/पंचरत्न
4. 07.11.1992
5. 19.15
6. ललितपुर
7. बी.सी.ए
8. 5'7''/53 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – ICICI बैंक
11. 3.50 लाख
12. –
13. नहीं
14. 86, ब्रजेश्वरी एनेक्स, बिचौली रोड बंगाली चौराहे के पास, इन्दौर
15. 9926041963, 9826630969

---

1. 017
2. **संजना मक्खनलाल जैन**
3. लंगुर/पंचरत्न
4. 14.02.1993
5. 4.02
6. इन्दौर
7. एमबीए (एचआर मार्केटिंग)
8. 5'3''/–
9. –
10. सर्विस–हाईलाईट इन्वेसमेंट
11. 4.50 लाख
12. –
13. –
14. ई–75/3, लवकुश आवास विहार सुखलिया, इन्दौर
15. 7803815228, 9827225200

---

1. 018
2. **दीपेश आदेशकुमार जैन**
3. पंचरत्न/फणीश
4. 30.10.1990
5. 20.45
6. अहमदाबाद
7. एम.सी.ए
8. 5'4''/60 कि.
9. गोरा
10. सर्विस
11. 2.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. 48/841, शिवानंद नगर अमराईवाड़ी, अहमदाबाद
15. 9998243025, 8511526767

---

1. 019
2. **विजीत रवीन्द्रकुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 22.06.1988
5. 18.10
6. झांसी
7. B.B.A (Marketing)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस टोयोटा मोटर्स
11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. बी–19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. 9451832713, 9827739279

---

1. 020
2. **आनंद अजीतकुमार जैन**
3. वैद्य/पटवारी
4. 2.10.1990
5. 1.30
6. इन्दौर
7. बी.ई. (साफ्टवेयर इंजी.)
8. 5'7''/63 कि.
9. साफ
10. सर्विस–प्रोजेक्ट मैनेजर
11. 9.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. 257, डीकेएन, स्कीम नं. 74 विजय नगर, इन्दौर
15. 8817440416, 9893768169

---

1. 021
2. **प्रतुल विनयकुमार जैन**
3. पंचरत्न/झोवर मूरी फागुल्य
4. 13.07.1986
5. 10.00
6. डिण्डौरी
7. बी.ए.
8. 6'2''/–
9. साफ
10. व्यवसाय–जनरल स्टोर्स
11. –
12. हाँ
13. –
14. किरण जनरल स्टोर्स इंदिरा मार्केट, डिण्डौरी
15. 9755350999, 8085566406

---

1. 022
2. **अनुंजय विजयकुमार जैन**
3. पटवारी/दिवाकीर्ति
4. 09.11.1993
5. 8.13
6. पवई (पन्ना)
7. बी.ई. (सिविल)
8. 5'6''
9. –
10. –
11. –
12. हाँ
13. –
14. विजय अहिंसा ट्रेडर्स, करही चौराहा मिलौनीगंज, नन्ही पवई, पन्ना
15. 9993458033, 9993256582

---

1. 023
2. **मेहुल सुरेन्द्रकुमार जैन**
3. भंडारी/पंचरत्न
4. 08.04.1993
5. 11.30
6. इन्दौर
7. M.B.A. studying
8. 5'6'' / 70 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस– आईटीसी, भोपाल
11. 6.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. 3/4, विजय नगर इन्दौर
15. **9522558426, 9435713139**

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ोन कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित